• बाल कविताएं...

अगर कहीं...

आसमान में बजे बांसुरी
धरती सारी झूमे-गाए,
अगर कहीं ऐसा हो भाई,
सचमुच खूब मजा आ जाए!
तारे धरती पर आ जाएं
चांद उतर आए आंगन में,
नन्हे-नन्हे सूरज पैदा
हों पृथ्वी पर, वन-उपवन में।
पेड़ों पर पैसे लगते हों
रसगुल्ले हों डाली-डाली,
जगह-जगह नदियां-पर्वत हों
हो सब धरती पर हरियाली।
चंद्रलोक में पैदल जाएं
सूर्यलोक की सैर करें हम,
वहां-वहां पर घूमें-घामें
जहां-जहां हो बढ़िया मौसम।
फूलों जैसी हों मुसकानें
नदी सरीखा हर दिल गाए,
अगर कहीं ऐसा हो भाई,
सचमुच, सबके मन को भाए!

■ प्रकाश मनु

अपना घर...

एक-एक ईंट जोड़कर हमने ,
बनाया अपना सुन्दर घर।
अपने घर में रहें सहज हम,
दूजों के घर लगता डर।
बच्चे हों तो करते रौनक,
किलकारी से गूंजे घर।
बिन बच्चों के मकां है केवल,
सूना जैसे हो खंडहर।
घर हो तो हम उड़ें आसमां
लग जाते हैं जैसे 'पर'
घर जैसा भी होता घर है।
जीवन उसमें करें बसर।
आओ रलमिल बनायें सारे।
इक दूजे का अपना घर...

■ दीनदयाल शर्मा

• चुटकुले...

सास– बहू, ये पड़ोसन शकुंतला बहुत झूठी है।
उसकी बातों पर कभी भरोसा मत करना।
वैसे तुमसे सुबह क्या कह रही थी?
बहू– वो कह रही थी कि तुम्हारी सास बहुत अच्छी हैं।

टीचर–डेट और तारीख में क्या अंतर है?
गप्पू : सर, बेरी सिंपल
टीचर : बताओ।
गप्पू– सर, डेट में गर्लफ्रेंड के साथ और तारीख में वकील के साथ जाते हैं।

• जानकारी...

चींटी

धरती पर असंख्य जीव-जंतु रहते हैं। इन सभी जीवों की विशेषताएं भी अलग-अलग होती हैं। लेकिन आज हम आपको जिस जीव के बारे में बताने वाले हैं, ये हर घर में पाया जाता है। लेकिन इस जीव के बारे में एक खास बात आप नहीं जानते होंगे। जी हां, हम 'चींटी' के बारे में बात कर रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि एक छोटी सी चींटी इंसानों से ज्यादा स्मार्ट होती है।

चींटी एक ऐसा जीव है, जो आपको घरों से लेकर बाहर जमीन और पेड़ों तक पर पाई जाती है। चीटियों की सबसे बड़ी विशेषता तो उनका आपसी तालमेल होता है। लेकिन चींटियों को लेकर वैज्ञानिकों ने बड़ा रिसर्च किया है। जिसके मुताबिक ये इंसानों से ने ज्यादा स्मार्ट होते हैं।

चींटियों पर रिसर्च–चींटियों को लेकर वैज्ञानिकों ने क पियानो मवर्स पजल का प्रयोग किया है। जिसमें चींटिंयों और इंसानों को परखा गया है। इस स्टडी में अकेला इंसान अकेली चींटी से जहां कहीं अधिक बुद्धिमान पाए गये हैं, वहीं समूह में चीटियों ने बहुत बढ़िया सफलता हासिल की है। दरअसल चींटियों की सफलता का राज उनका समूह में तालमेल ही है। रिसर्च के मुताबिक वास्तव में सभी चींटियां बहनों की तरह होती हैं, उनकी साझी रुचि होती है और सहयोग और तालमेल ही उन्हें अपने कामों में बेहतरीन नतीजे देने वाला बना जाता है।

दुनिया के सबसे पुराने कीट चींटी–बता दें कि चींटी दुनिया के सबसे पुराने कीटों में एक है। इतना ही नहीं एक चींटी खुद के वजन से 50 गुना वजन उठा लेती हैं। इसकी वजह ये है कि उनकी मांसपेशियां उनके शरीर के भार की तुलना में ज्यादा मोटी होती हैं। जबकि ऐसा बड़े जानवरों में नहीं होता है। इसके अलावा चींटियों की कॉलोनी बहुत ही ज्यादा बड़ी होती हैं। औसतन एक कॉलोनी में हजारों चींटियां होती हैं और वे उनके अंदर भोजन जमा कर रखने की खास तरह कि व्यवस्था भी बना लेती हैं।

चींटियों में इंसानों से अच्छा तालमेल–चीटिंयों से सीखने के लिए तालमेल और सहयोग ही नहीं है। उनमें कार्य विभाजन यानी डिविजन ऑफ वर्क भी बहुत बेहतरीन होता है। बता दें कि चींटियां कई तरह के कार्यों को आपस में बांट लेती हैं। जहां रानी चींटी का काम केवल अंडे देना होता है. वहीं मादा चींटियां वर्कर के तौर पर भोजन की व्यवस्था और उसके भंडारण का काम करती हैं। वहीं नर चींटियों का काम केवल अंडे देने में रानी चींटी की मदद करना होता है। वहीं हैरानी की बात ये है कि चींटियां एक दूसरे को रासायनिक संकेत भेजकर आपस में संचार करती हैं। इन रसायनों को फेरेमोन्स कहते हैं।

• रोचक...

नमक

नमक के बिना खाने की कल्पना नहीं की जा सकती है। क्योंकि नमक ही खाने का स्वाद बढ़ाता है। खाना कितना भी अच्छा क्यों नहीं बनता है, लेकिन अगर उसमें नमक नहीं होगा, तो खाना फीका लगेगा। वहीं भारत में कई तरह के नमक मिलते हैं। जिसमें मुख्य आयोडीन युक्त नमक, सेंधा नमक और काला नमक है। घरों में सबसे ज्यादा इस्तेमाल आयोडीन युक्त नमक का होता है। वहीं व्रत के समय सेंधा नमक का इस्तेमाल किया जाता है। आयोडीन नमक गुजरात से पूरे देशभर में पहुंचता है। वहीं सेंधा नमक पाकिस्तान से आता है। सबसे महंगा कोरियाई नमक है। इसे खास तरीके से और खास सामग्रियों से बनाया जाता है, जिस कारण इसका दाम भी अधिक होता है। दरअसल इसे कोरियाई बांस से बनाया गया है।

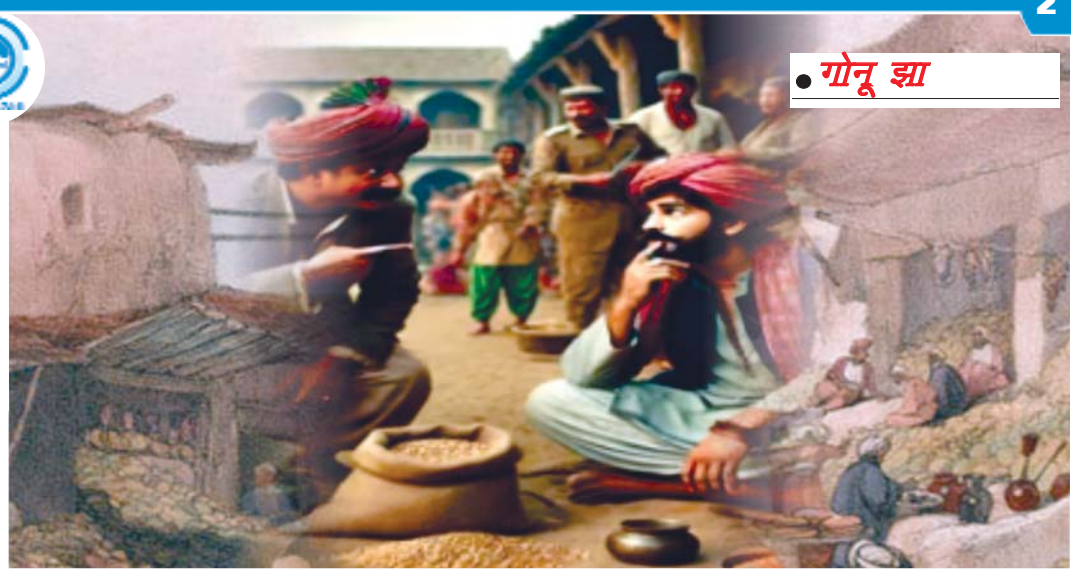

• गोनू झा

रात का भाव

गतांक से आगे...

एक यूनानी व्यापारी आज ही महाराज के पास आया था। वह दो सौ स्वर्ण - मुद्राओं में एक तोला के भाव से सेंबल के बीज खरीदने की बात कर रहा था। उसी ने महाराज को बताया कि इस बीज से बनने वाली दवा से मरता आदमी भी जी उठेगा। अब समझी, कि मैं सेंबल के बीजों के लिए इतना बेचैन क्यों हूँ? कल ही बाजार जाकर इन बीजों को बेच आऊँगा और इनसे मिलने वाले पैसों से सबसे पहले तुम्हारे लिए महल बनवाऊँगा। चल, पोटली ले आते हैं।'

पंडिताइन ने कहा 'अब रहने भी दो पंडित जी। रात भर में कौन - सी आफत आ जाएगी। जो बात सेंबल के बीज के बारे में तुमको मालूम है, वही बात अभी लोगों तक पहुँचते पहुँचेगी। अभी सो जाओ।'

गोनू झा को जो सन्देश बाहर खड़े चोर को देना था, वह दे चुके थे इसलिए उन्होंने मन मारने के अन्दाज में कहा - 'ठीक है भाग्यवान! जैसा तुम कहो! और गोनू झा बिस्तर पर लेट गए। पंडिताइन ने भी राहत की साँस ली और सो गई।

दूसरे दिन, सुबह- सुबह पंडिताइन घबराई- सी गोनू झा को झंकोरकर जगाने लगी -'उठिए पंडित जी! गजब हो गया! उठिए!'

गोनू झा उठे। उन्होंने घबराई सी पंडिताइन को देखा तो मुस्कुराकर पूछने लगे - 'तो पोटली गायब हो गई?'

पंडिताइन जवाब देने की बजाय सुबकने लगी। वह पछतावे से भरी हुई थी कि यदि उसने गोनू झा की बात मानकर रात को ही बनेरी से पोटली खोल ली होती तो यह हादसा नहीं होता।

उन्होंने पंडिताइन की पीठ थपथपाते हुए कहा - 'अब जाने भी दो, दो पाई की चीज के लिए इस तरह आँसू नहीं बहाते। 'फिर उन्होंने पंडिताइन को बताया कि रात को उन्होंने चोरों की आहट सुन ली थी और उन्हें गुमराह करने के लिए सेंबल के बीज के भाव बताये थे तथा एक किस्सा गढ़ दिया था।

गोनू झा को जो सन्देश बाहर खड़े चोर को देना था, वह दे चुके थे इसलिए उन्होंने मन मारने के अन्दाज में कहा – 'ठीक है भाग्यवान! जैसा तुम कहो! और गोनू झा बिस्तर पर लेट गए। पंडिताइन ने भी राहत की साँस ली और सो गई।

दूसरे दिन, सुबह– सुबह पंडिताइन घबराई– सी गोनू झा को झंकोरकर जगाने लगी – 'उठिए पंडित जी! गजब हो गया! उठिए!'

गोनू झा उठे। उन्होंने घबराई सी पंडिताइन को देखा तो मुस्कुराकर पूछने लगे – 'तो पोटली गायब हो गई?'

गोनू झा की बात सुनकर पंडिताइन की जान में जान आई। गोनू झा बिस्तर से उठे। बाजार पहुँचकर उन्होंने सबसे पहला काम यह किया कि बाजार - सुरक्षा चौकी पर गए और वहाँ के चौकीदार से बताया कि बाजार में यदि कोई सेंबल का बीज बेचता नजर आए तो उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जाए, क्योंकि एक ठग कल से ही सेंबल के बीज को जीवन -रक्षक औषधि बताकर बेचने की कोशिश कर रहा है।

पहले तो चौकीदार को विश्वास ही नहीं हुआ कि कोई व्यक्ति इस तरह का दुस्साहस कर सकता है, लेकिन बात चूँकि गोनू झा की थी तो उसे सतर्कता दिखाने की मजबूरी हो गई ।

एक जगह पर उन्होंने एक व्यक्ति को कपड़ा बिछाए सेंबल का बीज बेचते देखा। आम तौर पर सेंबल के बीज बाजार में नहीं बेचे जाते, इसलिए उन्हें विश्वास हो गया कि यह व्यक्ति कोई और नहीं, वही चोर है जो रात में उनके घर से सेंबल के बीजों की पोटली चुराकर ले आया है। उन्होंने चौकीदार को इशारा कर दिया और उनके इशारे पर चौकीदार चोर के पास पहुँचा और उससे संबल के बीज की कीमत पूछा। चोर ने चौकीदार की ओर देखकर कहा - 'दो सौ स्वर्ण -मुद्राएँ- प्रति तोला।'

चौकीदार ने प्रश्न किया - 'अरे, इतना महँगा? क्या है इन बीजों में? आखिर ये सेंबल के ही बीज हैं न?'

चोर ने मुस्कुराते हुए कहा -'अरे ये साधारण बीज नहीं हैं? इन बीजों में जीवन -रक्षक तत्त्व हैं।'

तब तक गोनू झा वहाँ पहुंचे, उन्होंने चोर से कहा - 'अरे तू तो रात का भाव बता रहा है। चौकीदार जी, जरा इसे सेंबल के बीजों का दिन वाला भाव बता दीजिए?'

फिर क्या था, चोर को चौकीदार ने पकड़ा। उसकी मुस्कें चढ़ा दी और पीटता हुआ उसे लेकर चला गया।

-समाप्त

• ब्रह्मकमल...

ब्रह्मकमल उत्तराखंड का राजकीय फूल होने के साथ ही सबसे पवित्र फूलों में एक है। इस फूल को पाने या देखने के लिए हाई एल्टीट्यूड में जाना पड़ता है। उत्तराखंड कम ऊंचाई वाले स्थानों पर ये नहीं दिखता है। ब्रह्मकमल फूल हिमालयी क्षेत्रों या इसके आसपास के बेहद ठंडे इलाकों में खिलते हैं। रात में खिलने वाला यह फूल देव पुष्प कहा जाता है। माना जाता है कि ब्रह्म कमल का फूल बहुत ही भाग्यशाली व्यक्ति के यहां खिलता है। ब्रह्म कमल का फूल जो भी भगवान शिव को अर्पित करता है, वो सौभाग्य को प्राप्त करता है।